भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 2087
उत्तर दिनांक 06/08/2026 को दिया गया

औद्योगिक क्षेत्र के कार्बन उत्सर्जन में कमी (डीकार्बोनाइजेशन) हेतु भारत स्मॉल रिएक्टर

2087. श्री मिलिंद मुरली देवरा

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) इस्पात, एल्यूमिनियम तथा ऊर्जा-गहन औद्योगिक क्षेत्रों के कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने (डीकार्बोनाइजेशन) के लिए भारत स्मॉल रिएक्टर्स (बीएसआर) की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) भूमि की आवश्यकता में कमी लाने संबंधी लक्ष्य की दिशा में कितनी उपलब्धि हासिल हुई है तथा औद्योगिक समूहों में संभावित परिनियोजन स्थलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वाणिज्यिक व्यवहार्यता का आकलन किया गया है तथा एक समर्पित बीएसआर नीतिगत ढाँचा प्रस्तावित किया गया है; और

(घ) यदि हाँ, तो निवेश मॉडल, विनियामक प्रक्रियाओं, उद्योगों की भागीदारी तथा प्रायोगिक परिनियोजन एवं विस्तार के लिए निर्धारित समय-सीमा सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) एनपीसीआईएल द्वारा 220 मेगावाट भारत लघु रिएक्टर (बीएसआर) स्थापित करने के लिए आमंत्रण प्रस्ताव (आरएफपी) जारी किया गया। इसके प्रत्युत्तर में, एनपीसीआईएल को निजी उद्योग अर्थात मेसर्स हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड से एक प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। परियोजना विवरण को अंतिम रूप देने के लिए दोनों पक्षों के बीच चर्चाएं चल रही हैं।

(ख) वर्तमान में 2 x 220 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर के लिए लगभग 330 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता होती है। भूमि के उपयोग में लगभग 90 हेक्टेयर तक कम किए जाने की संभावना का मूल्यांकन किया जा रहा है जो रेडियोलॉजिकल प्रभाव आकलन के अधीन है।

(ग) बीएसआर देश में पहले से ही प्रचालित नवीनतम 220 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर का एक उन्नत संस्करण है, जिनकी संरक्षा और प्रचालन प्रदर्शन का उत्कृष्ट और प्रमाणित रिकॉर्ड है और जो वाणिज्यिक रूप से परिपक्व हैं।

(घ) 'ग' के मद्देनज़र प्रश्न नहीं उठता।

*****